University in News on 18 November 2022

JAGRAN CITY PAGE III

आट्र्स कालेज दिसंबर में मनाएगा 111वां वर्ष

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का कला एवं शिल्प महाविद्यालय (आट्र्स कालेज) अपना 111वां वर्ष मनाएगा। इसके लिए 23, 24 व 25 दिसंबर को कला समागम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश में कार्यरत कालेज के पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। तीन दिन तक परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताएं, लाइव डेमो से लेकर कालेज पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई जाएगी। यह आयोजन कालेज का पूर्व छात्र संगठन करेगा। इसके लिए संगठन ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को पत्र भेजकर अनुमति मांगी है।

आट्र्स कालेज की स्थापना अक्टूबर 1911 में हुई थी। यहां पहले प्राचार्य के रूप में नैथेनियल हर्ड की तैनाती हुई थी। वर्तमान में यहां यूजी, पीजी, पीएचडी कोर्स को मिलाकर 500 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। प्राचार्य एवं डीन प्रो. रतन कुमार कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि कालेज अपना 111वां वार्षिकोत्सव 'कला समागम' मनाएगा। इसके लिए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया जाएगा।

पूर्व छात्र लगाएंगे प्रदर्शनी : 23 से 25 दिसंबर तक होने वाले इस वार्षिकोत्सव में पूर्व छात्रों के कार्यों की प्रदर्शनी लगेगी। लाइव डेमो भी होगा। पेंटिंग, पोटेड, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, खेल की प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

NBT PAGE 6

पायलट प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी के प्रफेशनल कोर्सों से होगी शुरुआत, मांगे गए सुझाव

एलयू में हफ्ते में पांच दिन पढ़ाई की तैयारी

Rishi.Sengar@timesgroup.com

लखनऊ : लखनऊ विवि में फाइव-डे वीक क्लासेज हो सकती हैं। सभी विभागाध्यक्षों से वीसी ने इस संबंध में उनके सुझाव भी मांगे हैं। वीसी का कहना है कि इस व्यवस्था को लागू करने पर विचार इसलिए किया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों का अधिक समय उनकी क्लास में गुजरे।

एलयू के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि शुरुआत में फाइव-डे वीक मैनेजमेंट के पीजी प्रफेशनल कोर्सों में इसे लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस की एचओडी प्रो. संगीता साहू को जिम्मेदारी दी गई है कि पहले वह अपने यहां फाइव-डे वीक क्लासेज का प्रस्ताव तैयार कर उसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू करें। चूंकि कोविड के चलते विद्यार्थियों में कैंपस में अधिक समय देकर क्लास अटेंड करने की रुचि कम हुई है। ऐसे में फाइव-डे वीक किए जाने से विद्यार्थियों की उपस्थिति भी बढ़ेगी।

एक दिन डिवेलपमेंट एक्टिविटी

वीसी ने बताया कि सप्ताह का छठवां दिन स्टूडेंट डिवेलपमेंट एक्टिविटी पर आधारित होगा। छठवें दिन प्रॉजेक्ट, फील्ड विजिट और अन्य चीजों पर फोकस किया जाएगा। यदि कोई विद्यार्थी दूसरे शहर का रहने वाला है तो वह इस दिन अपने घर भी जा सकेगा। इससे उसकी क्लास मिस नहीं होगी। डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस डिपार्टमेंट की एचओडी प्रो. संगीता साहू ने बताया है कि वह फाइव-डे वीक की रूपरेखा तैयार कर रही हैं।

तब सभी विभागों में होगा लागू

वीसी का कहना है कि मैनेजमेंट प्रफेशन कोर्सों में फाइव-डे वीक पायलेट प्रॉजेक्ट सफल होने पर सभी विभागों के प्रफेशनल कोर्सों में इसे लागू किया जाएगा। क्लासेज के लिए ही फाइव-डे वीक लागू होगा, प्रशासनिक कार्य छह दिन चलेंगे। वीसी का कहना है कि फाइव-डे वीक होने पर विवि के प्रफेसर भी सही से विद्यार्थियों पर फोकस कर सकेंगे।

भाषा विवि में अब 30 तक ले सकेंगे प्रवेश

■ एनबीटी, लखनऊ: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि की काउंसलिंग एवं प्रवेश प्रक्रिया 30 नवंबर चलेगी। विवि की मीडिया प्रभारी डॉ. तनु डंग ने बताया कि पहले खाली सीटों पर प्रवेश की आखिरी तारीख 15 नवंबर तय थी, लेकिन कुछ कोर्सों में सीटें खाली रहने के कारण वीसी प्रो. एनबी सिंह ने प्रवेश की तारीख 30 नवंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है। बीए, एम, सेल्फ फाइनेंस बीएससी, बीबीए, बीसीए, एमबीए एमसीए, बीटेक और एलएलएम के साथ डिप्लोमा कोर्सों सीटों के अभ्यर्थी काउंसलिंग के जरिए 30 नवंबर तक प्रवेश ले सकते हैं।

i-NEXT PAGE 4

दिसंबर में होगा आर्ट्स कॉलेज का 111वां वर्ष

23, 24 व 25 दिसंबर को पूर्व छात्र संगठन करेगा आयोजन

LUCKNOW (17 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय का कला एवं शिल्प महाविद्यालय (आर्ट्स कॉलेज) अपना 111वां वर्ष मनाएगा. इसके लिए 23, 24 व 25 दिसंबर को कला समागम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश में कार्यरत कॉलेज के पूर्व स्टूडेंट्स शामिल होंगे. तीन दिन तक परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताएं, लाइव डेमो से लेकर कालेज पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई जाएगी. यह आयोजन कॉलेज का पूर्व छात्र संगठन करेगा. इसके लिए संगठन ने वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को पत्र भेजकर अनुमति मांगी है.

1911 में हुई थी स्थापना

आर्ट्स कालेज की स्थापना अक्टूबर 1911 में हुई थी. यहां पहले प्राचार्य के रूप में नैथेनियल हर्ड की तैनाती हुई थी. वर्तमान में यहां यूजी, पीजी, पीएचडी कोर्स को मिलाकर 500 स्टूडेंट्स पढ़ते हैं. प्रिंसिपल एवं डीन प्रो. रतन कुमार कार्यरत हैं. उन्होंने बताया कि कालेज अपना 111वां वार्षिकोत्सव कला समागम मनाएगा. इसके लिए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया जाएगा.

पूर्व छात्र लगाएंगे प्रदर्शनी

23 से 25 दिसंबर तक होने वाले इस वार्षिकोत्सव में पूर्व छात्रों के कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी. लाइव डेमो भी होगा. पेंटिंग, पोटेड, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, खेल की प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे. कालेज के इतिहास और वर्तमान उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म बनाने की भी तैयारी है. इसके अलावा कालेज को लाइटों से सजाया जाएगा. कार्यक्रम में काफी टेबल बुक बनाने की भी योजना है. उन्होंने बताया कि कालेज में साफ-सफाई आदि के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को पत्र भेजा जा रहा है.

AMRIT VICHAR PAGE 5

पुरुष व महिला टीमों के चयन की तिथि घोषित

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक संघ ने विवि खेल 2022-23 शताब्दी उत्सव में भाग लेने वाली लविवि की पुरुष व महिला टीमों के चयन परीक्षण का आयोजन किया है। इसको लेकर शुक्रवार को चयन परीक्षण की तिथि व स्थल की सूची जारी कर दी है।

लविवि के एथलेटिक संघ के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया की कार्यक्रम के तहत बास्केटबॉल पुरुष व महिलाएं 26 नवंबर को शिवाजी मैदान पहुंचे, हेंडबॉल पुरुष व महिलाएं 28 नवंबर को शिवाजी मैदान, खोखो पुरुष व महिलाएं 30 नवंबर को मंडप मैदान, टेबल टेनिस पुरुष व महिलाएं 2 दिसंबर को सुबह 10 बजे मंडप मैदान, क्रिकेट पुरुष 07 दिसंबर को सुबह 9 बजे मंडप मैदान परीक्षण कार्यक्रम में पहुंचे। इसके पूर्व हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी संबंधित खेल से दो दिन पहले शाम पांच बजे तक लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन कार्यालय (पवेलियन ग्राउंड) लविवि में अपना पंजीकरण करा लें।

26 नवंबर से 7 दिसंबर तक होगा परीक्षण, दो दिन पूर्व कराना होगा पंजीकरण व सत्यापन

पंजीकरण के लिए लाने हैं ये कागजात

आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो, पहली किश्त शुल्क रसीद (मूल), हाई स्कूल सर्टिफिकेट, इंटरमीडिएट की मार्कशीट और ग्रेजुएशन की मार्कशीट के साथ पंजीकरण फॉर्म को संबंधित कॉलेज के प्राचार्य द्वारा विधिवत भरा और सत्यापित किया होना चाहिए।

यूपी समेत 10 राज्यों की पुलिस की कार्य दक्षता उच्च स्तर की

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर राजीव पांडेय ने राज्यों की पुलिस कार्यकुशलता का किया अध्ययन

तमाम चुनौतियों के बाद भी उत्तर प्रदेश की पुलिस बड़ी ही कुशलता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है। यह बात लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की ओर से हुए एक अध्ययन में सामने आई है। ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट और नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो से मिले आंकड़ों का सांख्यिकीय तकनीक विश्लेषण से किए गए अध्ययन से पता चला कि 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश में से यूपी सहित 10 ऐसे राज्य हैं जहां की पुलिस ने बड़ी ही दक्षता के साथ अपने सीमित संसाधनों का उपयोग कर दोषियों को अदालत तक पहुंचाया। यह अध्ययन बीते सितंबर में इंटरनेशनल जर्नल आफ क्रिएटिव रिसर्च थाट्स और इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल आफ माडर्नाइजेशन इन इंजीनियरिंग टेक्नोलाजी एंड साइंस में प्रकाशित हुआ है।

प्रोफेसर राजीव पांडेय, डीन रिसर्च, लवि

प्रज्ञा मिश्रा, शोधार्थी, सांख्यिकी विभाग, लवि

डा. राजीव पांडेय लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन रिसर्च एवं सांख्यिकी विभाग में प्रोफेसर हैं। उनके निर्देशन में शोधार्थी प्रज्ञा मिश्रा ने देश के 36 राज्यों में क्राइम रिकार्ड पर अध्ययन किया। प्रो. राजीव पांडेय ने बताया कि इसके लिए ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट और नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो का डाटा लिया गया।

दिया सुझाव

प्रो. राजीव पांडेय ने अध्ययन में सुझाव दिया है कि जो राज्य अतिरिक्त संसाधन मिलने के बाद भी 100 प्रतिशत दक्षता प्राप्त करने में असफल रहे हैं, उनकी डिसीजन मेकिंग यूनिट को उत्तर प्रदेश, असोम, गुजरात आदि राज्यों द्वारा कार्य किए जाने संबंधी प्रणाली के संबंध में विचार-विमर्श करना चाहिए।

इन राज्यों ने अतिरिक्त संसाधन के लिए खर्च किए करोड़ों

राज्य	पुलिस अतिरिक्त खर्च	यातायात सुविधा	अफसर लगे	केस हल	चार्जशीट संख्या
आंध्र प्रदेश	2642.45 करोड़	6.06 लाख	22210.94	सभी	सभी
अरुणाचल प्रदेश	888.34 करोड़	10.64 लाख	59062.00	10,20957	236686
बिहार	4543.23 करोड़	3.15 लाख	26546.45	सभी	सभी
उत्तराखंड	532.76 करोड़	2.36 लाख	5622.91	2534.67	सभी
पांडुचेरी	97.87 करोड़	3.15 लाख	740.85	सभी	सभी

डिसीजन मेकिंग यूनिट का रिस्पांस

हर जिले में पुलिस की डिसीजन मेकिंग यूनिट (डीएमयू) है। इसका काम चार्जशीट अदालत मे दाखिल कर दोषियो को सजा दिलाना है। उत्तर प्रदेश, असोम, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दादरा एंड नगर हवेली/दमन और दीव, दिल्ली, लद्दाख और लक्षद्वीप राज्य पुलिस ने अपने संसाधनो मे ही मामलो का निस्तारण कर वैल्यू वन मे जगह बना ली। वहीं, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, झारखंड, नगालैंड जैसे कई राज्य करोड़ों रुपये अतिरिक्त संसाधनों पर खर्च करने के बाद भी सैकड़ों मामलों मे चार्जशीट दाखिल नही कर पाए। आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक जैसे राज्य करोड़ों रुपये अतिरिक्त खर्च करके दक्षता वैल्यू वन में शामिल हो सके।

मामलों का निस्तारण प्रतिशत में

उप्र : 100 %	राजस्थान-76.7 %
असम 100 %	बिहार-71.1 %
गुजरात 100 %	छत्तीसगढ़ 70.2 %
सिक्किम-90.9 %	आंध्र प्रदेश 62.7 %
गोवा 80.7 %	झारखंड-57.9 %
हरियाणा 79.3 %	पंजाब-54.7 %
कर्नाटक 47.8 %	अरुणाचल प्रदेश-58.7 %

PIONEER PAGE 4

पीजी के चुनिन्दा प्रोफेशनल कोर्सों में सप्ताह में पांच दिन पढ़ाई की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● आखिरी दिन होगी स्टूडेंट आधारित एकेडमिक एक्टिविटी, पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर होगा संचालन

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्टूडेंट के सार्वभौमिक विकास को लेकर की गयी पहल के तहत लखनऊ विवि परास्नातक स्तर के चुनिन्दा प्रोफेशनल कोर्सों की पढ़ाई सप्ताह में पांच दिन कराने की तैयारी कर रहा है। सप्ताह के आखिरी दिन एकेडमिक आधारित एक्टिविटी जैसे रिसर्च, लैब, आउटडोर एक्टिविटी जैसे कार्यक्रम शामिल किये जायेंगे। जिससे स्टूडेंट को किताबी ज्ञान के साथ-साथ बाहरी ज्ञान भी मिल सके। फिलहाल, विवि की तरफ से अभी इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर संचालित करने की दिशा में तैयारी की जा रही है। हालांकि इसका संचालन विवि की तरफ से आधिकारिक घोषणा के बाद ही किया जायेगा। इस बारे में विवि का मानना है कि यूनिवर्सिटी का उद्देश्य सिर्फ पढ़ाई ही नहीं अपितु रिसर्च से लेकर जनसरोकार से जुड़ी समस्याओं और योजनाओं से छात्रों को रूबरू कराना भी होता है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

आर्ट्स कॉलेज मनाएगा अपना 111वां स्थापना दिवस

लखनऊ। लखनऊ विवि का आर्ट्स कॉलेज धूमधाम से अपना 111वां स्थापना दिवस समारोह मनाएगा। इसमें पूर्व छात्रों संग वर्तमान छात्रों का समागम होगा, साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आर्ट्स कॉलेज की स्थापना अक्तूबर 1911 में हुई थी। कॉलेज में 23, 24, 25 नवंबर को तीन दिवसीय आयोजन होंगे। कॉलेज प्रशासन की ओर से विवि को पत्र भेजकर यह जानकारी दी गई है। कॉलेज प्रशासन पूर्व छात्र संगठन संग कलाकृतियों की प्रदर्शनी, लाइव डेमो व कार्यशाला का आयोजन करेगा। लविवि भी 25 नवंबर को अपने 102वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारी कर रहा है। (माई सिटी रिपोर्टर)